विवाद

पहले कब्जे की शिकायत, फिर लाठी,डंडों से हमला, भूमि विवाद ने लिया आपराधिक रूप

पलोहा तिराहे का खूनी संघर्ष क्या जमीन विवाद बना हिंसा की वजह

नवभारत,नरसिंहपुर,गाडरवारा। शक्कर नदी स्थित पलोहा तिराहा इन दिनों एक विवादित भूमि को लेकर सुर्खियों में है। लंबे समय से चल रहा भूमि विवाद शुक्रवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया, जिसमें दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। जानकारी के अनुसार, चिरहकला निवासी पूजा कौरव ने कुछ समय पूर्व थाना गाडरवारा में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके स्वामित्व वाले प्लॉट पर कुछ लोगों द्वारा जबरन मिट्टी डलवाकर एवं टीन शेड रखकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला का कहना था कि उक्त भूमि उन्होंने विधिवत पंजीकृत बैनामे के माध्यम से खरीदी है तथा नामांतरण की प्रक्रिया राजस्व विभाग में लंबित है। शिकायत में गाली-गलौज और धमकी दिए जाने का भी उल्लेख किया गया था। स्थानीय लोगों के अनुसार शिकायत के बाद भी विवाद का स्थायी समाधान नहीं हो सका। दोनों पक्ष लगातार भूमि पर अपना-अपना दावा करते रहे, जिससे तनाव बना रहा। इसी बीच शुक्रवार को विवाद अचानक उग्र हो गया।

देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और विवाद मारपीट में बदल गया

गाडरवारा थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक जयदीप कौरव अपने प्लॉट पर मिट्टी डलवा रहे थे। इसी दौरान धर्मेंद्र भार्गव और महेंद्र भार्गव मौके पर पहुंचे तथा भूमि पर अपना दावा जताते हुए विरोध करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और विवाद मारपीट में बदल गया। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला किया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं भी सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर कहा जा रहा है कि विवादित भूमि को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से भी भूमि पर अपने अधिकार का दावा किया जा रहा है। हालांकि इन दावों की पुष्टि राजस्व अभिलेखों और जांच के बाद ही हो सकेगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पलोहा तिराहा स्थित भार्गव पान सेंटर के आसपास करीब आधे घंटे तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार कौन

बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थिति को देखते हुए कई दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए, जबकि राहगीरों ने क्षेत्र से दूरी बना ली। घटना में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल गाडरवारा पुलिस भूमि स्वामित्व, कब्जे के दावों, राजस्व अभिलेखों और मारपीट की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि विवादित भूमि पर वास्तविक अधिकार किसका है और हिंसक घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार कौन है। लेकिन इतना जरूर है कि पलोहा तिराहे की यह घटना उन लंबित भूमि विवादों का उदाहरण बन गई है, जिनका समय पर समाधान न होने पर वे कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन जाते हैं।

रेल लाइन निर्माण के आयेंगे सुखद परिणाम : उदय

नवभारत,करेली। क्षेत्र की दशा व दिशा बदलने वाली महत्वाकांक्षी रेल परियोजना छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण की दशकों पूर्व से क्षेत्रवासी मांग करते आ रहे हैं। जिसे लेकर सर्वे का कार्य भी वर्षों पूर्व पूर्ण हो चुका है और अब जिसे अमलीजामा पहनाने की जरूरत है। शनिवार सुबह मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के गृह ग्राम लोलरी स्थित आवास में तेंदूखेड़ा एवं करेली क्षेत्र के जागरूक जनों द्वारा छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण हेतु माननीय मंत्री जी से सक्रिय पहल की अपेक्षा किए जाने का आग्रह किया गया। तत्संबंध में मंत्री श्री राव ने कहा कि छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण को लेकर उन्होंने सांसद रहते हुए हरसंभव प्रयास किए थे और इस दिशा में जो मेहनत की है, भविष्य में उसके सुखद परिणाम आएंगे। कहा यह बड़ी परियोजना है, जिसमें अनेकों व्यवहारिक कठिनाइयां होती हैं, जिसके चलते ऐसी बड़ी परियोजनाओ को मूर्तरूप लेने में समय लगता है। मंत्री श्री राव की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद एक बार पुन: छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण को लेकर आस जगी है। उक्त रेल लाइन के निर्माण से जहां उत्तर से दक्षिण की दूरी कम होगी, वही क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे। विदित हो कि करेली जिला नरसिंहपुर के रास्ते छिंदवाड़ा से सागर होकर जाने वाली रेलवे लाइन का सर्वे कम्पलीट हो गया है जिसमे कुल 28 रेलवे स्टेशन बनना है जिसमे 279.37 किलोमीटर में 4 रेल स्टेशन छिंदवाडा, करेली, मकरोनिया, सागर पहले से बने है 24 नये स्टेशन बनना है यह सर्वे रेलवे की पिंक बुक में दर्ज है नया डीपीआर भी बन गया है जिस पर बजट का आवंटन होना शेष है। यह मार्ग गौडवाना व बुंदेलखंड के विकास के नये द्वार खोलेगा। सागर, दमोह, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के शहरी ग्रामीण अंचल से होकर गुजरने वाली विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली व सागर-नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा जिले को जोड़ने वाली प्रस्तावित छिंदवाड़ा करेली देवरी सागर रेल लाइन की मांग 1970 से हो रही है संसद में अनेक बार जनप्रतिनिधि इस मांग को उठा चुके है। इस मार्ग के बनने से नागपुर के रास्ते दक्षिण जाने एवं राजधानी दिल्ली की दूरी भी कम हो जावेगी वर्तमान रेल रूट से नरसिंहपुर से नागपुर पहुंचने में 12 घंटे लगते है यदि ये रेल लाइन बन जावेगी तो मात्र 3 घंटे में नागपुर के लगेगे। करेली सागर रेल लाइन की मांग 1970 से हो रही है इस मार्ग के बनने से नागपुर के रास्ते दक्षिण जाने एवं राजधानी दिल्ली की दूरी भी कम हो जावेगी यह मार्ग सतपुड़ा बुंदेलखंड़ अचंल रेल सुविधाओं में देश मे सबसे ज्यादा पिछड़ा है, बुंदेलखंड की आबादी देश आबादी का 5 प्रतिशत है। परन्तु रेल लाइन देश की कुल लाइनो की एक प्रतिशत भी नही यह रेल मार्ग उत्तर भारत में भारत की राजधानी दिल्ली तथा दक्षिण भारत में चैन्नई कन्या कुमारी की लंबी दूरी को कम करेगा।

9 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नवभारत,नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव में शनिवार को नगर कांग्रेस द्वारा विभिन्न जनहित और किसान-युवा मुद्दों को लेकर बैलगाड़ी और महंगाई के रूप में पुतले बनाकर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) के नाम तहसीलदार नीरज तखरया को 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए सरकार की नीतियों और फैसलों पर सवाल उठाए। ज्ञापन में कांग्रेस ने बेरोजगार युवाओं को तत्काल रोजगार उपलब्ध कराने, किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान करने तथा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण लगाने की मांग की। साथ ही पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, सोना और चांदी की बढ़ती कीमतों को कम करने की बात कही गई। कांग्रेस नेताओं ने अघोषित बिजली कटौती बंद कर शहर और गांवों में समान बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जर्जर सड़कों का शीघ्र निर्माण कराने तथा सड़क हादसों पर रोक लगाने की मांग भी रखी। ज्ञापन में नीट और सीबीएसई परीक्षा से जुड़े पेपर लीक मामलों के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई कर छात्रों को न्याय दिलाने की मांग की गई।

फेशियल के बाद चेहरा जलने का आरोप, महिला ने एसडीएम से की शिकायत

नवभारत,गाडरवारा। शहर के एक ब्यूटी पार्लर पर महिला द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पीड़िता का दावा है कि फेशियल कराने के दौरान उपयोग किए गए केमिकल से उसका चेहरा प्रभावित हो गया, जिससे उसे गंभीर जलन और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में महिला ने एसडीएम एवं अस्पताल में शिकायत देकर जांच और कार्यवाही की मांग की है।

जानकारी के अनुसार गाडरवारा निवासी चंद्रवती ठाकुर ने शिकायत में बताया कि 28 मई 2026 को वह शहर स्थित ग्रेस ब्यूटी पार्लर में चेहरे की सफाई एवं फेशियल कराने गई थीं। उनका आरोप है कि प्रक्रिया के दौरान लगाए गए पदार्थ के कारण उनके चेहरे पर तेज जलन

होने लगी और त्वचा प्रभावित हो गई। पीड़िता का कहना है कि घटना की जानकारी पार्लर संचालिका को दी गई थी, जिस पर इलाज कराने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, महिला का आरोप है कि बाद में उन्हें उचित उपचार नहीं मिला। उनका कहना है कि चेहरे पर घाव और लगातार जलन के कारण उन्हें खाने-पीने में भी कठिनाई हो रही है। शिकायत में महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि पार्लर संचालिका ने अपने पति के कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ होने का हवाला देते हुए कार्यवाही कराने की चुनौती दी। महिला ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की मांग की है। फिलहाल मामले में लगाए गए सभी आरोप शिकायतकर्ता महिला के हैं। आरोपों की पुष्टि और वास्तविक तथ्यों का निर्धारण प्रशासनिक जांच के बाद ही हो सकेगा। अब सभी की निगाहें जांच और प्रशासन की आगामी कार्यवाही पर टिकी हैं।

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

नवभारत,गाडरवारा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नरसिंहपुर जिले स्थित एनटीपीसी गाडरवारा में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, एसडीएम गाडरवारा कलावती व्यारे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड एवं अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा कानून-व्यवस्था, सुरक्षा बैरिकेडिंग, परिवहन, पार्किंग, विद्युत, चिकित्सा, अग्निशमन, पेयजल, सत्कार एवं स्वच्छता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है और कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

गौ माता का संरक्षण करने की जरूरत

नवभारत,तेंदूखेड़ा। जिस गौ माता के हम जयकारे लगाते हैं। जिसमें स्वयं देवताओं का वास है। जिसके गोबर और मूत्र से जगह पवित्र हुआ करती है आज वही गौ माता मारी मारी निरीह अवस्था में जहां मुख्य सड़क मार्गों पर घायल जख्मी पीड़ित हालत में पड़ी हुई देखी जा रही है। प्रतिदिन वाहनों की अंधी रफ्तार में हम उसे कालकल्वित कर दोडते चले जा रहे है। जितना अधिक हम गौ माता को परेशान या पीड़ित अवस्था में छोड़ेंगे उसके जितने भी आंसू गिरेंगे उससे हम भी परेशान होंगे।उसकी करुण आह से हम भी सुखी नहीं रह पायेंगे इसलिए गौ माता की सेवा संरक्षण करना बहुत ही जरुरी है। उक्ताशय के अमृत वचन हरसिद्धि मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान भागवत किंकर उपाधि से अलंकृत पं

कृष्णकांत शास्त्री के द्वारा व्यक्त किए गये। इस ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा व्यास द्वारा जहां भगवान योगेश्वर की लीलाओं का बखान किया जा रहा है। वहीं गौ माता के दूध की ताकत उसकी सेवा और गौ माता की पीठ पर हाथ फेरने से हार्ट जैसी बीमारियों से छुटकारा मिलने पूंछ से बच्चों की नजर उतारनें जैसे विंदुओं पर भी प्रकाश डाला जा रहा है। कथा श्रवण करने दूर दूर से श्रद्धालु श्रोता पहुंच रहें हैं। विगत दिवस रुकमणी विवाह को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं द्वारा पैर पूजन किया बधाई गीत गाकर बधाई नृत्य किये।इस चिलचिलाती धूप में भी श्रोता बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

नवभारत,नरसिंहपुर। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने शनिवार को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रजनी सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. राहुल नेमा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.सी. चौरसिया, डॉ. जी.पी. भनारिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। अपर मुख्य सचिव वर्णवाल ने अस्पताल में पेयजल, कूलर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्थाएं देखी। स्टोर रूम मदर रेस्ट रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण कर ओपीडी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और जांच सेवाओं की गुणवत्ता के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की गई।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

नवभारत,नरसिंहपुर। जिले में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर रजनी सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला टास्क फोर्स और जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. आर.के. चौधरी, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि जिले में जन्म से 5 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों को पल्स पोलिया की दवा पिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पल्स पोलियो की खुराक लेने से वंचित नहीं होना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने विकासखंड वार तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विकासखंडों के लिए माइक्रो प्लान के अनुसार बूथ संचालन, घर-घर भ्रमण, दवा वितरण, मॉनीटरिंग एवं जन जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों के बच्चों तक इस अभियान को पहुंचाना सुनिश्चित करें।

महाविद्यालय की ऊँची दीवारें, बौनी शिक्षा

क्या हम वाकई शिक्षित हो रहे हैं, या सिर्फ ईंट-पत्थरों के बीच खुद को दफन कर रहे?

नवभारत,गोटेगाव। बचपन की उन गलियों में जब में छोटा था, तो शहर का वह महाविद्यालय मेरे लिए केवल एक इमारत नहीं, बल्कि सपनों का महल हुआ करता था। में अक्सर उसकी दीवारों को सहलाते हुए गुजरता और मन ही मन बुनता कि एक दिन इन गलियों का हिस्सा बनूँगा। तब महाविद्यालय की परिभाषा पत्थरों से नहीं, बल्कि वहाँ गूँजने वाली सरस्वती की वीणा से होती थी। वह शिक्षा का मंदिर था, जहाँ विद्यार्थी शीश झुकाकर ज्ञान की भिक्षा माँगते थे। वक्त बदला, और जैसा कि कहा जाता है, विकास हुआ। आज महाविद्यालय की इमारत तो किसी भव्य किले जैसी मजबूत हो गई है, पर अफसोस, उस मजबूती के पीछे की रूह खो गई है। जो लाइब्रेरी कभी ज्ञान का महासागर थी, आज वह पुरानी अलमारियों का एक कब्रिस्तान बन चुकी है। किताबें वहां कैद हैं, मानो उन्हें %उम्रकैद% की सजा मिल गई हो। धूल की परतें पन्नों पर इस तरह जमी हैं जैसे कि ज्ञान अब आधुनिकता के इस शोर में दम तोड़ चुका हो। विडंबना देखिए, इमारतें जितनी ऊँची हुईं, शिक्षा का स्तर उतना ही पाताल में चला गया। जहाँ कभी विमर्श और शास्त्रार्थ होते थे, आज वहाँ केवल खोखले प्रदर्शनों का बाजार सजता है। एक दौर था जब ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय का नाम गर्व से लिया जाता था। यहाँ से निकले हुए नगीने न केवल जिले, बल्कि पूरे देश के माथे का तिलक बनते थे। तब व्यक्तित्व का निर्माण होता था, आज केवल भी? का उत्पादन हो रहा है। आज के इस नए दौर में, महाविद्यालय ज्ञान की वेदी नहीं, बल्कि टाइमपास का एक आधुनिक अड्डा बनकर रह गया है। यहाँ विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने नहीं, बल्कि वक्त को कत्ल करने आते हैं। अब यहाँ डिग्री तो बांटी जाती है, पर विद्वत्ता कहीं खो गई है। आज का महाविद्यालय एक मजबूत ढाँचा तो है, लेकिन उसके भीतर का विवेक खोखला है वह मंदिर अब एक शोरूम में तब्दील हो चुका है, जहाँ विद्यार्थी उपभोक्ता हैं और शिक्षक महज कर्मचारी। कितना सुखद होता यदि यह भव्यता केवल दीवारों तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के चरित्र में भी झलकती। विद्यार्थी और महाविद्यालय शिक्षक समय की पटरियाँ और वेटिंग में शिक्षा में अपनी ज्ञान की यात्रा कर रहे है। गोटेगांव के इस शिक्षा के मंदिर और भारतीय रेल के बीच एक अद्भुत सामंजस्य स्थापित हो गया है। फर्क बस इतना है कि भारतीय रेल अब वक्त की पाबंद होने की कोशिश कर रही है, और हमारा महाविद्यालय समय से तलाक ले चुका है। महाविद्यालय के विद्वान प्रोफेसरों को देखकर अक्सर ऐसा आभास होता है कि उन्हें ज्ञान से अधिक अपने घर की सुख-सुविधाओं से प्रेम है। कक्षा का समय शुरू होने के बाद भी उनकी कुर्सी सूनी रहती है, लेकिन छुट्टी का घंटा बजने से पहले ही उन्हें अपने घर की दीवारें पुकारने लगती

आशीष साहू

हैं। लगता है प्रोफेसर साहब के लिए महाविद्यालय एक स्टॉपेज मात्र है जहाँ वे केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए रुकते हैं, उनका असली टर्मिनल तो उनका निजी निवास ही है। बेचारा विद्यार्थी, जो कभी कलाई पर बंधी घड़ी देखकर घर से निकलता था, आज वह Where is My Train ऐप पर नजरें गड़ाए बैठा रहता है। विद्यार्थी को अब अपनी घड़ी के सेल पर भरोसा नहीं रहा, उसे भरोसा है तो बस रेल की उस लोकेशन पर जो उसे बताएगी कि क्या उसे आज ज्ञान मिलेगा या सिर्फ खाली बेंचें। विद्यार्थी महाविद्यालय का समय अपनी क्लास से नहीं, बल्कि स्टेशन पर आने वाली पैसेंजर या एक्सप्रेस के शोर से तय करता है। अगर ट्रेन लेट है, तो समझो लेक्चर भी री-शेड्यूल है। आज के इस दौर में ज्ञान की गंगा पटरियों के समांतर बह रही है। अनुशासन अब किताबों में नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन पर सिमट गया है। जब शिक्षक को समय से पूर्व घर जाने की जल्दी हो और विद्यार्थी को समय के बाद पहुँचने की विवशता, तो समझ लीजिए कि उस महाविद्यालय की इमारत तो खड़ी है, पर उसके भीतर की शिक्षा बिना टिकट यात्रा कर रही है। कितना बढ़ा उपहास है कि हम बुलेट ट्रेन के युग में जी रहे हैं, लेकिन हमारे महाविद्यालयों का शैक्षणिक स्तर आज भी उस मालगाड़ी जैसा है जो हर जंक्शन पर घंटों खड़ी रहती है। यहाँ समय का पहिया उल्टा घूमता है। प्रोफेसर समय से पहले भागते हैं और विद्यार्थी समय के बाद पहुँचते हैं। बीच में जो पिस रहा है, वह है, भविष्य। कितना लिखूं समझ नहीं आता जब महाविद्यालय पर कुछ लिखने का मन हुआ तो महाविद्यालय के शिक्षक रायता फैला दिया और लिखने का मौका दे दिया। ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय में जो हुआ, उसे दुर्घटना कहना विद्या की देवी सरस्वती का अपमान होगा। यह तो दरअसल प्रबंधन के उस परम ज्ञान का प्रकटीकरण है, जहाँ वाणिज्य और कला के बीच की सदियों पुरानी दूरियों को एक झटके में मिटा दिया गया। धन्य है वह शिक्षक, जो कॉमर्स के विद्यार्थियों को बैलेंस शीट की जगह इतिहास और भूगोल थमाकर जीवन का सबसे बड़ा व्यावहारिक ज्ञान दे रहा था जीवन में कभी भी, कुछ भी आउट ऑफ सिलेबस हो सकता है! और ऊपर से जुगलबंदी देखो जब यह अद्भुत चमत्कार घटित हुआ, तो महाविद्यालय के कर्णधारों ने अपनी गलती सुधारने के बजाय हिंदी साहित्य के नवरसों में से रौद्र और हास्य रस का जीवंत प्रदर्शन किया। एक-दूसरे पर उँगलियाँ ऐसे उठ रही थीं, मानो परीक्षा हॉल न होकर कोई राजनीतिक मंच हो। इस प्रशासनिक दंगल को देखकर लगा कि डिग्री चाहे जो मिले, विद्यार्थियों को म्युचुअल फंड और ब्लेम गेम (दोषारोपण) की मुफ्त ट्रेनिंग जरूर मिल गई। हम लोगों को पता है कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी (सापेक्षता का सिद्धांत) दिया था, लेकिन इस महाविद्यालय ने समय का नया सिद्धांत रच दिया। पेपर आधा घंटा देर से देना तो प्रशासन की शाही तशरीफ का हिस्सा था। साहब लोग आपस में लड़ रहे थे, तो भला छात्र कैसे बीच में बोलते पेपर का जब समय खत्म हुआ तो साक्षात् काल का रूप धर कर शिक्षक सामने। जब पेपर वापस लेने की बारी आई, तो प्रशासन ने बुलेट ट्रेन की रफ्तार पकड़ ली। घड़ी की सुइयाँ अपनी गति से चल रही थीं, और वीक्षक अपनी मर्ज़ी से। वाह इस को ही कहते है देर से आना तुम्हारी किस्मत, जल्दी जाना हमारा अधिकार। शायद इसी मूलमंत्र के साथ छात्रों के भविष्य की उत्तरपुस्तिका पर अव्यवस्था की स्याही पोत दी गई। आज जब मैं उस इमारत के पास से गुजरता हूँ, तो वह पुराना गौरव मुझसे सवाल पूछता है। क्या हम वाकई शिक्षित हो रहे हैं, या सिर्फ ईंट-पत्थरों के बीच खुद को दफन कर रहे हैं।

श्रीमती पार्वती बाई पटेल का निधन

नवभारत,गोटेगांव। विगत दिवस ग्राम भडरी प्रतिष्ठित ग्रामवासी समाजसेवी कल्लू पटेल की धर्मपत्नी एवं रघुवर पटेल लक्ष्मण पटेल लक्ष्मीबाई पटेल की पूज्य माता श्री आशाकार्यकर्ता श्रीमती पार्वती बाई पटेल निवासी भडरी का 49 वर्ष की उम्र में बीमारी के चलते दुखद निधन हो गया है! आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व की महिला थी, आपके निधन का समाचार प्राप्त होतेही परिवारजनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया, अंतिम संस्कार शवयात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रति निधियों व ग्रामवासियों ने मुक्तिधाम में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थितजनों ने श्रीमती पार्वती बाई की दिवंगत आत्मा की शांति

हेतु अनुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त कर शोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की। वही ग्राम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा व्यास पीठ विपिन बिहारी दास महाराज जी ने दिव्य आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की और कहा कि इस पवित्र महीने में उनका देवलोकगमन हो जाना भगवान श्री चरणों में उनकी आत्मा को अवश्य शांति प्रदान करेंगें!

नहीं रहे ठाकुर साहब

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित ठाकुर परिवार सागौनी के पर्वत सिंह लोधी ठाकुर साहब का असमय दुखद निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी गई। ठाकुर साहब ओमप्रकाश विट्टू के पूज्य पिता थे।

गेहूं खरीदी केन्द्र में अनियमितताएं बरतने पर कर्मी निलंबित

नवभारत,नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि गेहूं खरीदी केन्द्र बी-पैक्स बचई करहैया खरीदी स्थल वृदांवन पंडा वेयर हाउस नयागांव के कर्मचारी श्री रोहित शर्मा के विरूद्ध उपार्जन कार्य में अनियमितताएं, गड़बड़ी एवं अनाधिकृत रूप से पैसे लेने की शिकायत पर समिति प्रबंधक बी-पैक्स बचई करहैया द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। उक्त केन्द्र की विस्तृत जांच कार्यवाही प्रचलित है। उक्त शिकायत भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत शाखा नरसिंहपुर के पदाधिकारियों के द्वारा की थी। उक्त शिकायत की जांच 28 मई 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर और सहकारिता विस्तार अधिकारी नरसिंहपुर से कराई गई थी। जांच के दौरान उपार्जन कार्य में अनियमितताएं बरतने संबंधित तथ्य पाए जाने पर उक्त कार्यवाही की गई।